राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 04 जुलाई 2025
वर्ष 14, अंक 85, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार मजदूर गंभीर घायल, कार खाई में गिरी...03

प्रेम प्रसंग में पति लगा रहा था अडंगा, मिली खौफनाक मौत...04

जामा मस्जिद विवाद- नमाज पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर 21 जुलाई को होगी सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात

संभल- संभल जिले के चंदौसी की एक स्थानीय अदालत ने को उस विवादित शाही जामा मस्जिद पर नमाज अदा करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय की है जिसके हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है। इस मामले से जुड़े वकीलों ने यह जानकारी दी। कार्यवाही के दौरान मस्जिद के अंदर नमाज अदा करने पर रोक लगाने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें मस्जिद की 'विवादित स्थिति' का हवाला दिया गया था। मामले की सुनवाई सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह की अदालत में हुई। यह विवाद पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पहुंचा था, जहां मुस्लिम पक्ष ने मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

मस्जिद को सील कर दिया जाए

हालांकि, 19 मई को उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा और निर्देश दिया कि निचली अदालत में कार्यवाही जारी रहे। बृहस्पतिवार की सुनवाई में, अदालत ने याचिकाकर्ता सिमरन गुप्ता की ओर से शाही जामा मस्जिद में नमाज अदा करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका स्वीकार कर ली। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि चूंकि न्यायालय ने इस स्थल को विवादित माना है, इसलिए मुसलमानों को भी नमाज अदा करने से रोका जाना चाहिए, जैसे कि वर्तमान में हिंदुओं को पूजा करने से प्रतिबंधित किया गया है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि मस्जिद को सील कर दिया जाए और उसे संभल के जिलाधिकारी की निगरानी में रखा जाए। हिंदू पक्ष की ओर से सिमरन गुप्ता ने भी याचिकाकर्ता बनाए जाने की मांग की है।

अंतिम सुनवाई 28 अप्रैल को हुई थी

दोनों मामलों की सुनवाई 21 जुलाई को होगी। मूल मुकदमा 19 नवंबर, 2023 को आठ हिंदू याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर किया गया था, जिनमें अधिवक्ता हरि शंकर जैन और विष्णु शंकर जैन शामिल थे। उस दिन मस्जिद में न्यायालय के आदेश पर सर्वेक्षण

किया गया था। 24 नवंबर को सर्वेक्षण का दूसरा दौर किया गया, जिसके बाद मामला चंदौसी सिविल अदालत के समक्ष रखा गया। अंतिम सुनवाई 28 अप्रैल को हुई थी। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज करने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को रिकॉर्ड के हिस्से के रूप में अदालत में प्रस्तुत किया गया था।

मस्जिद की कानूनी टीम अदालत द्वारा जारी आदेश का पालन करेगी

दूसरी ओर, शाही जामा मस्जिद का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता कासिम जमाल ने स्वीकार किया कि विरोधी पक्ष ने उच्च न्यायालय के फैसले को प्रस्तुत किया है और कहा कि मस्जिद की कानूनी टीम अदालत द्वारा जारी किए गए किसी भी आदेश का पालन करेगी। नमाज पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता बाबू लाल सक्सेना ने बताया कि उनके मुवक्किल सिमरन गुप्ता का मानना है कि अंतिम निर्णय पारित होने तक विवादित स्थल पर किसी भी समूह द्वारा धार्मिक गतिविधि प्रतिबंधित होनी चाहिए।

24 नवंबर को हुई थी हिंसा

24 नवंबर, 2024 को मस्जिद स्थल पर दूसरे सर्वेक्षण के दौरान संभल में हिंसक झड़पों के बाद हुई अशांति के कारण चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी और 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। हिंसा के बाद पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क और शाही जामा मस्जिद के अध्यक्ष जफर अली के साथ-साथ 2,750 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। अब तक जफर अली और कई अधिवक्ताओं सहित 96 लोगों को घटना के सिलसिले में जेल भेजा जा चुका है।

आत्मनिर्भर भारत या चीनी निर्भरता? खरगे ने उठाए मोदी सरकार पर तीखे सवाल

स्वतंत्र प्रभात

भारत और चीन के संबंधों को लेकर राजनीतिक तनाव फिर तेज हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की चीन नीति पर कड़ी निंदा की है। उन्होंने चीन द्वारा भारत में काम कर रहे इंजीनियरों की वापसी और भारत के लिए जरूरी खनिजों पर चीन की रोक को लेकर सवाल उठाए और कहा कि मोदी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई समाप्ति तिथि नहीं है।

चीन भारत की कमर तोड़ रहा

खरगे ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, सरकार ने चीन को भारत में निवेश और काम करने की पूरी आज़ादी दे दी। उन्होंने आरोप लगाया कि चीनी इंजीनियरों को आसानी से वीजा देकर उन्हें कंपनियों में काम करने और PLI स्कीम का लाभ उठाने का मौका दिया गया। दक्षिण भारत के फॉक्सकॉन आईफोन प्लांट से चीनी इंजीनियरों की वापसी का जिक्र करते हुए खरगे ने इसे सरकार की बड़ी विफलता बताया। उन्होंने कहा कि चीन भारत की कमर तोड़ रहा है और सरकार केवल तमाशा देख रही है।

खनिजों के निर्यात पर चीन की पाबंदी

खनिजों के निर्यात पर चीन की पाबंदी को लेकर भी खरगे ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत को जरूरी 'रियर अर्थ मैग्नेट्स' और अन्य दुर्लभ खनिजों का निर्यात रोक दिया है, जो ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा और सुरक्षा से जुड़े उद्योगों के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने पूछा कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर क्या कार्रवाई कर रही है। इसके अलावा, भारतीय ऑटो उद्योग के प्रतिनिधिमंडल को चीन में अधिकारियों से मिलने की अनुमति नहीं मिलने पर भी उन्होंने चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि इससे भारत की आत्मनिर्भरता को बड़ा नुकसान पहुंचेगा और चीन खुलेआम भारत के हितों की अनदेखी कर रहा है।

फर्टिलाइजर सप्लाई की रोक से किसानों पर संकट

खरगे ने चीन द्वारा भारत को स्पेशलिटी फर्टिलाइजर की सप्लाई दो महीने से रोकने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी 80 प्रतिशत फर्टिलाइजर जरूरत चीन से पूरा करता है, जिसका असर कृषि उत्पादन पर पड़ेगा और किसान पहले से ही संकट में हैं। राहुल गांधी ने भी हाल ही में इस फर्टिलाइजर की आपूर्ति रुकने को लेकर चिंता जताई थी।

गलवान घाटी मामले को लेकर भी सरकार को घेरा

गलवान घाटी में पांच साल पहले हुए संघर्ष में शहीद हुए 20 जवानों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि तब भी सरकार ने चीन को क्लीन चिट दे दी, जिससे चीन ने फायदा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस बार भी चीन के आगे नतमस्तक है। अंत में, खरगे ने मोदी सरकार की 'चीनी गारंटी' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसकी कोई एक्सपायरी डेट नहीं है और देश की जनता को सरकार की नीतियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह चीन के खिलाफ ठोस और प्रभावी नीति बनाए और भारत के हितों की सुरक्षा करे।

संक्षिप्त ख़बरें

आम आदमी पार्टी ने किया बड़ा ऐलान, बिना गठबंधन के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी

आम आदमी पार्टी (आप) ने बिहार की राजनीति में बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में अकेले ही मैदान में उतरेगी। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। आप के नेताओं का कहना है कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है और आम आदमी पार्टी उसे नया विकल्प देने जा रही है। पार्टी सभी विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और जनता से सीधे संवाद कर विकास की नई सोच लेकर सामने आएगी। दिल्ली और पंजाब में सरकार चला चुकी आम आदमी पार्टी अब बिहार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में है। पार्टी का कहना है कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार मुक्त शासन जैसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। इस घोषणा के बाद बिहार की राजनीति में नई हलचल मच गई है और सभी दल अब आप की रणनीति पर नजर बनाए हुए हैं।

उत्तर प्रदेश बिलारी कोतवाली पुलिस का गुडवर्क बना चर्चा का विषय, रेप पीड़िता को चरस में भेजा जेल

मुरादाबाद- बिलारी पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी कर एक महिला सहित 3 आरोपियों को नशीले पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में 1200 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार करना दिखाया है। लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल कुछ वीडियो ने पुलिस के इस गुडवर्क पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। दरअसल, पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी में जिस छाया नाम की महिला की गिरफ़्तारी दिखाई है, उस महिला ने गिरफ़्तारी से कुछ घंटे पहले एक वायरल वीडियो में अपने साथ गैंगरेप करने का दो लोगों पर गंभीर आरोप लगाया था। महिला ने बताया कि दो लोगों ने उसको बिलारी तक छोड़ने के बहाने कार में बैठाया था, और उसको नशा देकर उसके साथ ग़लत काम किया था। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में पकड़े गए आरोपी ललित और चांद महिला को बेहोशी की हालत में एक शॉपिंग कॉम्पलेक्स के बाहर से गोदी में उठाकर कार में डालकर ले जा रहे थे। किसी व्यक्ति द्वारा इसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी गई। बिलारी कोतवाली पुलिस ने अब महिला छाया और गैंगरेप के आरोपी ललित और चांद को नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ़्तार करना दिखाया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लाखों रुपए मूल्य की चरस भी बरामदगी दिखाई है। आरोपियों के पास से पुलिस ने जो कार ज़ब्त की है, उसी कार में महिला ने अपना अपहरण होने और गैंगरेप करने का आरोप लगाया था। सोशल मीडिया पर महिला के गैंगरेप के आरोप लगाती वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग पुलिस के इस खुलासे पर हैरान हैं।

भूख-बम और बर्बादी- गाजा में राशन की लाइन बनी मौत की रेखा, 82 फिलीस्तीनियों की मौत

स्वतंत्र प्रभात

गाजा में हालात हर बीतते दिन के साथ और भी भयावह होते जा रहे हैं। 2 जुलाई की रात और 3 जुलाई की सुबह, इज़राइल की ओर से किए गए हवाई हमलों और गोलीबारी में 82 फिलीस्तीनी नागरिकों की जान चली गई । यह जानकारी गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और स्थानीय अस्पतालों ने साझा की।इन मृतकों में से 38 लोग ऐसे थे जो राहत सामग्री (खाद्य और अन्य जरूरतों की चीजें) लेने के लिए लाइन में खड़े थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें ज़रूरी सामान मिलेगा जिससे वे अपने परिवारों का पेट भर सकें, लेकिन वे हवाई हमलों का निशाना बन गए। मारे गए लोगों में से 5 लोग गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के कार्यालय के पास मारे गए जो एक नवगठित अमेरिकी संगठन है और इज़राइल समर्थित बताया जा रहा है। इस संगठन का उद्देश्य गाजा के नागरिकों तक खाद्य सामग्री और मानवीय सहायता पहुंचाना है। शेष 33 लोग गाजा पट्टी के अलग-अलग क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने वाले ट्रकों के इंतजार में खड़े थे, जब वे इज़राइली हमलों का शिकार हुए।

इज़राइल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

इस हमले के बाद भी इज़राइल डिफेंस फोर्स (IDF) या इज़राइली सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। न ही उन्होंने इन हमलों की पुष्टि की है और न ही मारे गए नागरिकों के बारे में कोई संवेदना प्रकट की है। पिछले कई महीनों से गाजा में इज़राइल द्वारा किए जा रहे सैन्य अभियानों में नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं की मौत की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह घटना भी उसी दुखद कड़ी का हिस्सा बनती दिख रही है।

गंभीर मानवीय संकट की ओर गाजा

गाजा पट्टी पहले ही एक खुली जेल की तरह काम कर रही है। लगातार हमलों, ब्लॉकेड और संसाधनों की कमी ने आम नागरिकों की ज़िंदगी को नरक से भी बदतर बना दिया है। भोजन, पानी, दवा जैसी मूलभूत चीजें लोगों को घंटों कतारों में लगकर भी नहीं मिल रही । अब जब भोजन पाने की उम्मीद से खड़े लोग भी मारे जा रहे हैं तो यह साफ संकेत है कि हालात पूर्ण मानवीय त्रासदी में बदल चुके हैं।

मानवाधिकार संगठनों की तीखी प्रतिक्रिया संभव

इस घटना के बाद अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस जैसे संगठनों की तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पहले भी संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय सहायता पर हो रहे हमलों को लेकर इज़राइल को चेतावनी दी थी कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन है। 2023 के अंत में शुरू हुए गाजा संघर्ष ने अब तक 30,000 से अधिक लोगों की जान ली है जिनमें एक बड़ी संख्या नागरिकों की है। गाजा पर इज़राइल ने पूर्ण नाकाबंदी कर रखी है ।वकोई उड़ान, कोई जलमार्ग, कोई आपूर्ति सहज रूप से नहीं आ सकती है। सीमाओं पर स्थिति इतनी खराब है कि लोग भूख से मरने की कगार पर हैं और अस्पतालों में दवाइयों की भारी किल्लत है

रोटी की तलाश भी जुर्म

गाजा में हाल की घटना यह सवाल उठाती है कि क्या भोजन और मदद की उम्मीद रखना भी अब अपराध बन चुका है? यह केवल सैन्य संघर्ष नहीं रहा, बल्कि एक मानवता की परीक्षा बन चुका है। जहां एक ओर युद्ध की राजनीति चल रही है, वहीं दूसरी ओर बेसहारा, भूखे और थके लोग बस जीने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब वे भी हमलों का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

भीषण सड़क हादसाः 4 मासूमों समेत 5 की मौत, एक ही बाइक पर सवार थे सभी

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें चार मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह हादसा जनपद के हाफिजपुर थाना क्षेत्र स्थित पड़ाव इलाके में हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से ज़ोरदार टक्कर मार दी।

स्विमिंग पूल से लौटते वक्त हुआ हादसा

36 वर्षीय दानिश, निवासी मोहल्ला रफीक नगर, मजीदपुरा, बुधवार की शाम अपने परिवार के बच्चों को लेकर मुरशदपुर स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गया था। रात करीब 10 बजे सभी लोग एक ही बाइक पर सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। बाइक पर सवार दानिश के साथ उसकी दो बेटियां, भतीजा और एक पड़ोसी की बेटी मौजूद थी। घटना के बाद सभी लोग सड़क पर दूर तक उछलकर गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई। कुछ की मौके पर ही मौत हो गई, बाकी को पुलिस ने तत्काल स्थानीय देवनंदनी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस कार्रवाई और वाहन जब्त

हापुड़ के एएसपी विनीत भटनागर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस वाहन से टक्कर हुई, उसे पुलिस ने बरामद कर लिया है और आरोपी चालक की पहचान की जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवार में मातम, पूरे मोहल्ले में शोक

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दानिश की पत्नी और अन्य परिजन सदमे में हैं। मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और न्याय दिलाने की मांग की है। इलाके में शोक का माहौल है और स्थानीय लोग घटना स्थल पर एकत्र होकर दोषियों की गिरफ्तारी की माँग कर रहे हैं।

अंबाला कैंट सिविल अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच रैकेट का पर्दाफाश, दो कर्मचारी गिरफ्तार

अंबाला कैंट नागरिक अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच का भंडाफोड़ हुआ है। कुरुक्षेत्र की टीम ने दबिश देकर कैंट अस्पताल में दो दलालों को सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। कुरुक्षेत्र की टीम को सपोट करने के लिए अंबाला की टीम के भी तीन अधिकारी मौके पर अंबाला कैंट नागरिक हस्पताल पहुंचे। इस मौके पर जिन दो दलालों ने गर्भवती महिला से लिंग जांच के लिए पैसे लिए थे उनको मौके पर पकड़ा और आगे को जांच जारी है। लिंग जांच करना कानूनी अपराध है और इसके लिए सरकार सख्त कदम भी उठा रही है लेकिन बावजूद उसके कुछ दलाल पैसों के चक्कर में लिंग जांच का काम करते है। ताजा मामला अंबाला कैंट के नागरिक हस्पताल से सामने आया जहां पर लिंग जांच का गोरख धंधा चल रहा है। अंबाला के नोडल अधिकारी विक्रम भंडारी ने ज्यादा जानकारी देते हुए कहा कि हमे सुबह सूचना मिली थी कि कुरुक्षेत्र की टीम किसी डिकोय गर्भवती महिला को जिसको की किसी एजेंट ने लिंग जांच के लिए अंबाला बुलाया था उनको फॉलो करते करते सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही कुरुक्षेत्र की टीम को सपोट करने के लिए अंबाला जिले की टीम जिसने तीन अधिकारी मौजूद थे, वो मौके पर पहुंचे और मौके से दो दलाल जिन्होंने ने गर्भवती महिला से लिंग जांच के लिए पैसे लिए थे। उनको मौके से पकड़ा है और उनसे रिकवरी हुई है और आगे की जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश के अस्पताल में लापरवाही की इंतहा! टीबी मरीज खुद लगा रहा इंजेक्शन

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। यहां के जिला अस्पताल में एक टीबी (क्षयरोग) पीड़ित मरीज को टीबी वार्ड में भर्ती करने के बजाय सामान्य वार्ड में रखा गया। यही नहीं उसे खुद अपने हाथ से इंजेक्शन लगाते हुए भी देखा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसने स्वास्थ्य महकमे को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मरीज खुद लगा रहा इंजेक्शन

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा युवक टीबी का मरीज है। वीडियो में वह अस्पताल के वार्ड नंबर-1 में खुद को डेरी डेक्सा नामक इंजेक्शन लगाता दिख रहा है। यह इंजेक्शन टीबी के इलाज में प्रयोग होता है और इसे प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी की देखरेख में ही मरीज को दिया जाना चाहिए। लेकिन यहां न डॉक्टर मौजूद हैं, न नर्स। मरीज खुद इंजेक्शन लगाता है, जिससे संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ गया है। सबसे बड़ी चूक यह है कि मरीज को टीबी वार्ड में न रखकर सामान्य वार्ड नंबर-1 में

भर्ती किया गया, जहां पहले से ही अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीज और छोटे बच्चे इलाज के लिए भर्ती हैं।

खतरे में दर्जनों मरीजों और तीमारदारों की जान

बता दें कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जो हवा के माध्यम से फैलता है। ऐसे में इस मरीज को सामान्य वार्ड में रखने से दर्जनों मरीजों और तीमारदारों की जान को खतरे में डाल दिया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद वार्ड में दहशत का माहौल बन गया है। यह पहला मौका नहीं है जब महोबा जिला अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगा हो। पूर्व में भी इलाज में कोताही, डॉक्टरों की अनुपलब्धता और मरीजों से दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार मामला गंभीर है।

दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी- महिला और बेटे की बेरहमी से हत्या, नौकर निकला कातिल

स्वतंत्र प्रभात

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में मंगलवार देर रात एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। एक मां और उसके 14 वर्षीय बेटे की उनके ही घर में नृशंस हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह जब शव बरामद हुए तो हर कोई सन्न रह गया। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय रुचिका और उनके बेटे कृष के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि घर का ही नौकर था, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या हुआ उस रात?

रुचिका के पति जब देर रात घर लौटे, तो उन्होंने मुख्य दरवाजा बाहर से बंद पाया। कई बार दस्तक देने के बावजूद जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जब दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का मंजर दिल दहला देने वाला था – बेडरूम में रुचिका का और बाथरूम में कृष का खून से लथपथ शव पड़ा था।

हत्या क्यों और कैसे हुई?

पूछताछ में आरोपी नौकर ने पुलिस को बताया कि किसी बात को लेकर मालकिन ने उसे डांट दिया था, जिससे वह बुरी तरह भड़क गया। उसी गुस्से में उसने धारदार हथियार उठाया और पहले महिला, फिर उनके बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने घर का दरवाजा बाहर से बंद किया और मौके से फरार हो गया।

कैसे पकड़ा गया नौकर?

वारदात के बाद से ही नौकर फरार था, जिससे पुलिस को उसी पर शक हुआ। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। कुछ ही घंटों की मेहनत के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया।

इलाके में पसरा डर और मातम

घटना के बाद पूरे लाजपत नगर में दहशत का माहौल है। आसपास के लोग स्तब्ध हैं कि एक भरोसेमंद दिखने वाला नौकर इतनी खौफनाक वारदात को अंजाम दे सकता है। लोगों के बीच यह चर्चा है कि अब अपने घरों में भी किसी पर विश्वास करना मुश्किल हो गया है।

पुलिस क्या कर रही है?

पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। जांच में यह भी पता लगाने की कोशिश हो रही है कि क्या यह हत्या सिर्फ गुस्से में की गई, या इसके पीछे कोई और गहरी साजिश थी।

दुनिया के एक चौथाई बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं!

यह जानकर धक्का लगना स्वाभाविक है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूनेस्को की विश्व भर के शिक्षा हालात के अध्ययन पर आइ एक ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि लगभग 27 करोड़ 20 लाख से अधिक बच्चों के शिक्षा के अधिकार से वंचित रह जाते हैं। दुनिया भर में बच्चों किशोरों युवाओं की शिक्षा संबंधी यह रिपोर्ट न केवल मनोवैज्ञानिक धरातल पर चौंकाती है, अपितु विश्व के अति ग़रीब और विकासशील देशों में आज भी करोड़ों बच्चों को समुचित शिक्षा न मिल पाने संबंधी चिन्ता जनक हालात को बयान करती है।एक ओर दुनिया के तमाम देश हथियारों की अंधी दौड़ में शामिल है और अपने कुल बजट का बड़ा हिस्सा हथियारों पर खर्च कर देते हैं। आपको बता दें कि वैश्विक स्तर पर, 2023 और 2024 के बीच शिक्षा सहायता में 12% की गिरावट और 2027 तक 14% की और कटौती होने के कारण कुल शिक्षा सहायता में 2027 तक एक-चौथाई की गिरावट आने की उम्मीद है। यह निम्न आय वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां सहायता सार्वजनिक शिक्षा व्यय का 17% है और जहां कटौती से कुछ शिक्षा बजट आधे हो सकते हैं।

2030 तक अपने शिक्षा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देशों को प्रति वर्ष लगभग 100 बिलियन डॉलर का वित्तीय घाटा उठाना होगा ।

वैश्विक स्तर पर सरकारों, परिवारों और दानदाताओं द्वारा कुल शिक्षा व्यय में लगातार वृद्धि हुई है, लेकिन इससे प्रति बच्चे के आवंटन में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। चार में से तीन देश दो शिक्षा वित्त मानकों में से किसी को भी प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इस चिन्ता का आधार इस रिपोर्ट का यह अंश बनता है कि इन आंकड़ों में यूनेस्को की पिछली रिपोर्ट से 2.1 करोड़ वंचित बच्चों की वृद्धि दर्ज की गई है। वृद्धि का यह आंकड़ा गरीब देशों में तो विस्तृत हुआ ही है, अनेक विकासशील देश भी इससे अछूते नहीं रहे हैं। निःसंदेह विकासशील देशों के तौर पर इनमें भारत का नाम भी शुमार है हालांकि भारत संबंधी अलग आंकड़े इस रिपोर्ट में नहीं हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार चिन्ता यह भी उपजती है कि विश्व धरातल पर अधिकतर देश शिक्षा संबंधी अपने निर्धारित लक्ष्यों से पिछड़ते जा रहे हैं। इस कारण यह आशंका भी उभरती है कि वर्ष 2025 के अन्त तक शिक्षा से वंचित रहने वाले विश्व भर के बच्चों की संख्या ताज़ा रिपोर्ट के आंकड़ों से कहीं अधिक हो सकती है। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के शिक्षा से वंचित रहने के वैसे तो अनेक कारण बताये जा सकते हैं किन्तु वर्तमान में दो बड़े कारण उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक तो यह है कि विश्व देशों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत विकासशील और ग़रीब देशों में स्कूलों में नये प्रवेशार्थियों की संख्या में 80 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है जोकि कुल वृद्धि का 38 प्रतिशत बनती है। मौजूदा व्यवस्था इतनी बड़ी संख्या को सम्भाल पाने में समर्थ नहीं है। शिक्षा के अधिकार से वंचित कुल 27 करोड़ 20 लाख बच्चों में से 11 प्रतिशत अर्थात 7.80 करोड़ प्राइमरी स्कूलों से हैं। सैकेंडरी स्कूल तक के वंचित बच्चों की संख्या 6.40 करोड़ अर्थात कुल संख्या का 15 प्रतिशत और सर्वाधिक संख्या 13 करोड़ यानि 31 प्रतिशत सैकेंडरी से ऊपरी शिक्षा वाले बच्चों की है। स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने हेतु न जा पाने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि का एक और बड़ा कारण अफगानिस्तान और इसके जैसे कुछ अन्य अफ्रीकी कट्टरपंथी देशों में लड़कियों की शिक्षा प्राप्ति के अधिकार पर लगाया गया प्रतिबन्ध है। ऐसे देशों में लड़कियों की शिक्षा पर भांति-भांति के प्रतिबन्ध लगाये जाने से संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था की इस संबंधी रिपोर्ट के आंकड़ों में भारी इज़ाफा हुआ है।

इस रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक धरातल पर बढ़ती जन-आबादी भी स्थितियों की इस भयावहता के लिए ज़िम्मेदार हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र की आबादी संबंधी रिपोर्ट में बताया गया है कि बढ़ी आबादी में 6 से 17 वर्ष तक के बच्चों की संख्या कुल आबादी वृद्धि का 3.1 प्रतिशत अर्थात 4.90 करोड़ है। प्रायः इस आयु को स्कूल जाने वाले बच्चों का आधार रूप माना जाता है। स्कूल शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या में वृद्धि निरन्तर होते जाने का एक और बड़ा कारण विश्व-देशों में हो रहे युद्धों और छिट-पुट लड़ाइयों को भी माना जाता है। इनसे एक ओर जहां देशों में निष्क्रमण और प्रवासन बढ़ता है, वहीं आर्थिक स्थितियों का अवसान भी होता है। ये दोनों स्थितियां स्कूली उम्र के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से बुरी तरह से प्रभावित करती हैं। रिपोर्ट में हालांकि यह संकेत भी प्राप्त होता है कि ये आंकड़े कम दर्ज किए गए हैं, क्योंकि विश्व के अनेक भागों में, भिन्न-भिन्न देशों में बाहरी, आपसी और भीतरी सशस्त्र टकराव चल रहे हैं जिनके कारण भीतर तक जा पाना संयुक्त राष्ट्र संघ जांच दलों के सदस्यों के लिए सम्भव नहीं था। अतः ऐसे देशों के शिक्षा से वंचित बच्चों को शुमार करने से स्वाभाविक रूप से यह संख्या और बढ़ेगी।

हम समझते हैं कि मनुष्य के मौलिक एवं निजी अधिकारों के तौर पर, इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का शिक्षा जैसे अत्यावश्यक अधिकार से वंचित रहना बेहद चिन्ताजनक है। भारत जैसे देश में सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर में सुधार के स्थान पर गिरावट रहना और प्राइवेट तौर पर शिक्षा का अधिकाधिक महंगे होते जाना भी बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का बड़ा कारण हो सकता है। विकसित एवं धनाढ्य देशों में प्राइमरी से लेकर सैकेंडरी तक की शिक्षा प्रायः सरकारों की ओर से दिए जाने का प्रावधान है। भारत में बड़ी संख्या में गरीब बच्चे फीसों और किताबों का खर्च न उठा पाने के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। सरकारी तौर पर किताबें, स्कूली वर्दी न मिलने से भी बड़ी संख्या में बच्चे प्राइमरी शिक्षा से आगे नहीं बढ़ पाते। गरीब देशों में बचपन से ही बच्चों के कंधों पर रोटी रोज़ी कमाने का बोझ आ पड़ने से भी वे शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते हैं।

आपको बता दें कि किसी भी राष्ट्र में खास तौर पर लोकतांत्रिक शासन में शिक्षा किसी भी आदमी का मौलिक अधिकार है। बच्चों को विशेष रूप से शिक्षा आवश्यक तौर पर उपलब्ध कराना सरकारों का कर्तव्य होना चाहिए। भारत जैसे विकासशील देशों की सरकारों का भी यह दायित्व बनता है कि वे सभी बच्चों खास कर गरीब अभिभावकों के बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करने को सुनिश्चित बनाएं। शिक्षा के मौलिक अधिकार को प्रत्येक जन तक उपलब्ध करा के ही कोई राष्ट्र सभ्यता के धरातल पर सुर्खरू होकर विचरण कर सकता है।

यूनेस्को की रिपोर्ट हर साल शिक्षा की स्थिति पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें शिक्षा में असमानता, शिक्षा तक पहुंच, गुणवत्ता और समावेशिता जैसे मुद्दे शामिल हैं. 2024 की रिपोर्ट में, लगभग दस वर्षों में वैश्विक स्तर पर स्कूल न जाने वाली आबादी में केवल 1% की कमी आई है, और शिक्षा में लगातार कम निवेश, विशेष रूप से कम आय वाले देशों में, इसका एक मुख्य कारण है यूनेस्को के अनुसार. 2025 तक, 75 मिलियन बच्चों के और स्कूल जाने से वंचित होने की आशंका है।

भारत की स्थिति भी शिक्षा के मामले में विशेष बेहतर नहीं है बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों का भारी अभाव लगातार हमारी शिक्षा तंत्र को ढलान पर ला रहे हैं। विश्व भर में शिक्षा के क्षेत्र में अभी बहुत काम करने की जरूरत है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

भारत-चीन सीमा विवाद

भारत और चीन विश्व की 2 प्राचीन एवं महान सभ्यताओं के देश हैं। दोनों देश लगभग एक साथ ही स्वतंत्र हुए। आजादी के बाद से ही चीन और भारत में सीमा विवाद ने एक ऐसी समस्या को जन्म दिया जिसका आज तक कोई समाधान नहीं हो पाया। कम्युनिस्ट देश चीन के बारे में पूरी दुनिया में यह धारणा बनी कि चीन अपनी विस्तारवादी नीति के चलते दूसरे देशों की जमीन पर एक-एक इंच करके आगे बढ़ता है और बाद में जमीन कब्जा लेता है। भारत चीन की घुसपैठ का कई बार शिकार हो चुका है। दोनों देशों के संबंध भी काफी जटिल रहे हैं। पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शांत होने के बाद संबंधों में सुधार होने की उम्मीद एक बार? फिर जाग उठी थी। अब चीन ने कहा है कि भारत के साथ चीन की सीमा विवाद जटिल है लेकिन इसके समाधान में समय लगेगा। हालांकि वह परिसीमन पर चर्चा करने के लिए तैयार है ताकि सीमा क्षेत्र पर शांति बनी रहे।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग की ओर से ये बयान तब आया है जब 26 जून को भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षामंत्री डोंग जून के बीच ज़िंगदाओ में हुए एससीओ डिफेंस मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई। इस द्विपक्षीय बैठक के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर तनाव कम करने के लिए सीमा के स्पष्ट सीमांकन के लिए एक ÷संरचित रोडमैप÷ का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने सीमा पर तनाव कम करने के लिए कदम उठाने और सीमांकन के लिए मौजूदा तंत्र को सक्रिय करने का आह्वान किया था। बीजिंग में जब मीडिया ने चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर टिप्पणी करने को कहा तो माओ ने कहा कि दोनों देशों ने पहले ही विशेष प्रतिनिधि (एसआर) तंत्र स्थापित कर लिया है।

सीमा विवाद सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच तंत्र 1993 में स्थापित किया गया था। 1993 के समझौते के तहत दोनों देशों द्वारा सीमा प्रबंधन का काम किया गया और यह समझौता दोनों देशों को सीमा पर गश्त का अधिकार देता है। दूसरा समझौता 1996 में किया गया, जिसके तहत सीमा पर बल प्रयोग नहीं करने का प्रावधान किया गया। सीमा विवाद पर पिछले साल विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23वीं वार्ता हुई थी। इस बैठक में लद्दाख सीमा पर गतिरोध दूर हुआ और दोनों देशों ने डिस एंगेजमेंट समझौते की पुष्टि की। चीन की सेनाओं का एलएसी पर पूर्व स्थिति में जाना मोदी सरकार की बड़ी जीत रही।

भारत चीन के साथ 3488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। ये सीमा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुज़रती है। ये सरहद तीन सैक्टरों में बंटी हुई है-पश्चिमी सैक्टर यानी जम्मू-कश्मीर, मिडिल सैक्टर यानी हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड और पूर्वी सैक्टर यानी सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश। दोनों देशों के बीच अब तक पूरी तरह से सीमांकन नहीं हुआ है क्योंकि कई इलाक़ों के बारे में दोनों के बीच मतभेद हैं। भारत पश्चिमी सैक्टर में अक्साई चिन पर अपना दावा करता है लेकिन ये इलाक़ा फ़िलहाल चीन के नियंत्रण में है। भारत के साथ 1962 के युद्ध के दौरान चीन ने इस पूरे इलाके पर कब्जा कर लिया था। वहीं पूर्वी सैक्टर में चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता है। चीन कहता है कि ये दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है। चीन तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश के बीच की मैकमोहन रेखा को भी नहीं मानता है। चीन का कहना है कि 1914 में जब ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों ने ये समझौता किया था, तब वो वहां मौजूद नहीं था। उसका कहना है कि तिब्बत चीन का अंग रहा है इसलिए वो ख़ुद कोई फैसला नहीं ले सकता। इन विवादों की वजह से दोनों देशों के बीच कभी सीमा निर्धारण नहीं हो सका। ?यथास्थिति बनाए रखने के लिए लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी टर्म का इस्तेमाल किया जाने लगा। हालांकि अभी ये भी स्पष्ट नहीं है। दोनों देश अपनी अलग-अलग लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल बताते हैं। इस लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर कई ग्लेशियर, बर्फ़ के रेगिस्तान, पहाड़ और नदियां पड़ती हैं। एलएसी के साथ लगने वाले कई ऐसे इलाके हैं जहां अक्सर भारत और चीन के सैनिकों के बीच तनाव की खबरें आती रहती हैं। चीन ने 1996 में भारत पर हमला ?किया और हमारी काफी जमीन कब्जा ली। 1967 में नाथुला संघर्ष,1987 में सुमदारोंग चू संघर्ष, 2013 में डेपसांग संघर्ष, 2020 में गलवान घाटी संघर्ष और 2022 में अरुणाचल प्रदेश के तवांग में संघर्ष हुआ। चीन दक्षिण एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। इसलिए वह बार-बार पड़ोसियों को आंखें दिखाता है तो कभी नरम रुख अपनाता है। दोनों देशों में तनाव के बावजूद व्यापारिक संबंध पहले की ही तरह बने हुए हैं।

सुरक्षित हवाई यात्रा के लिए बने नई व्यवस्था

12 जून को 230 सवारियों वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरी। तीस सैकेंड बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिर पड़ा। उस हादसे को रोका जा सकता था, दुर्घटना ने उस विमान की बदहाली की पोल तो खोली ही, विमानन क्षेत्र से जुड़े पूरे तंत्र में व्याप्त सड़ांध को भी उजागर कर दिया। किसी भी लोकतंत्र में ऐसे हादसे जागने का अवसर होते हैं लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। इसके बजाय मृतकों के शोकाकुल परिजन शवों की तस्वीरों और अनुत्तरित प्रश्नों के साथ एक से दूसरे मुर्दाघर में दौड़ रहे थे। संकट के समय मदद करने के लिए कोई टीम नहीं थी। एयरलाइंस द्वारा हत्या करके बच निकलने का मुख्य कारण यह है कि उनकी जिम्मेदारी तय करने के लिए कोई विनियामक नहीं है। सच तो यह है कि वह कोई हादसा नहीं था, यह दैनंदिन अक्षमता के वेश में सुनियोजित लापरवाही थी। भारत का विमानन क्षेत्र ऊंची उड़ान नहीं भर रहा, यह विनियंत्रण के स्तर पर डरे होने, कॉरपोरेट लालच और राजनीतिक उदासीनता का मिलाजुला रूप है। नतीजतन रनवे पर, हवा में और जिम्मेदार लोगों के हाथों में-सर्वत्र खून है, दो कंपनियों के नियंत्रण वाला विमानन क्षेत्र सिर्फ एयरलाइंस का संचालन नहीं कर रहा, लोगों के मुताबिक, 35,000 फीट की ऊंचाई पर यह उगाही का तंत्र चलाता है। इन दो प्रमुख एयरलाइन समूहों का भारतीय आकाश के 88.5 फीसदी हिस्से पर कब्जा है। विमानों के किराये का नमूना देखिये ~ दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच 50 मिनट की उड़ान के 8,500 रुपये, चेन्नई से कोयंबटूर के लिए 10,200 रुपये, पिछले साल इंडिगो ने 11.8 करोड़ मुसाफिरों को गंतव्य तक पहुंचाया और 7258 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। एयर इंडिया हिसाब-किताब के मामले में शालीनता दिखाती है लेकिन एक बार में 470 विमानों के ऑर्डर देने का फैसला उसकी ताकत के बारे में बताता है। गो फर्स्ट के खत्म हो जाने और स्पाइसजेट की हिस्सेदारी घटकर चार फीसदी रह जाने के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है-सिर्फ कार्टेल पूंजीवाद है और विनियामक? जरा रुकिए, भारत में कोई विनियामक नहीं है। यहां डीजीसीए यानी नागर विमानन महानिदेशालय है, नागर विमानन के लिए डीजीसीए का होना वैसा ही है, जैसे चाकू की जगह टूथपिक हो।

भारत का तथाकथित विमानन विनियामक फंड और संसाधन की कमी के साथ राजनीतिक अंकुश से जूझ रहा है, इसमें 53 फीसदी पद खाली हैं, जबकि संसाधनों में 91 फीसदी कटौती की गयी है। नींद से जागकर 24 जून को उसने जो जांच रिपोर्ट जारी की, वह डरावने उपन्यास की तरह लगता था। उसने रिपोर्ट में व्यवहार के अयोग्य बैगेज ट्रॉली, गलत ढंग से रखे लाइफ वेस्ट्स, रखरखाव के प्रोटोकॉल की अनदेखी, लगातार होने वाली तकनीकी चूक आदि का जिक्र किया है। डीजीसीए ने इन कमियों पर क्या रुख दिखाया? उसने एक प्रेस रिलीज जारी की, अपनी पीठ थपथपायी, फिर लंबी नींद में सो गया। भारत बड़े विमानन बाजार वाला इकलौता देश है, जिसके पास वैधानिक रूप से और स्वतंत्र विनियामक नहीं है।

ब्रिटेन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और पड़ोसी नेपाल तक में ऐसे स्वतंत्र निकाय हैं, जिन्हें विमानों पर उड़ान प्रतिबंध लगाने, जुर्माना लगाने, यात्री अधिकारों को लागू करने, यहां तक कि अधिकारियों को जेल में डालने के लिए भी मंत्रियों से अनुमति लेने की जरूरत नहीं पड़ती। अमेरिका के संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) में 45,000 कर्मचारी हैं और उसका 20 अरब डॉलर का सालाना बजट है, भारत में डीजीसीए समय पर हादसे की रिपोर्ट जारी कर दे तो यही बहुत है। दूसरे देशों में विमान दुर्घटनाओं के बाद सुधार लागू होते हैं, वर्ष 2008 के स्पेन एयर हादसे के बाद यूरोपीय संघ ने सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया। वर्ष 2018-19 में 737 मैक्स हादसे के बाद एफएए ने बोइंग जेट्स पर 20 महीने का उड़ान प्रतिबंध लगाने के साथ बदलाव भी किये। वर्ष 2023 में विमान के इंजनों का मुद्दा सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलिया का सीएएसए हरकत में आया। जापान में इसी साल टोक्यो के रनवे में हुई टक्कर के तुरंत बाद जेटीएसबी सक्रिय हो गया। अपने यहां अहमदाबाद विमान हादसे के दो सप्ताह बाद तक डीजीसीए चुप रहा। भारतीय विमानन क्षेत्र में सिर्फ फेयर मीटर ही तेज दौड़ता है। हां, हमारे यहां एयरपोर्ट क्वालिटी के लिए विनियामक है, क्योंकि रनवे के टाइल्स यात्रियों के जीवन से ज्यादा महत्व रखते हैं। विगत मार्च में कोलकाता से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक उड़ान को खराब मौसम के कारण जब जयपुर में उतारा गया तो एक यात्री प्रिया शर्मा अपने पिता के अंतिम संस्कार में उपस्थित नहीं हो सकी। बेंगलुरु से हैदराबाद जा रही उड़ान में जब एक महिला बेहोश हो गयी तो क्रू ने उसकी अनदेखी की, तब महिला की बेटी को रोते हुए बताना पड़ा कि यह मेरी मां हैं। पिछले महीने गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे इंडिगो के एक विमान के पायलट ने ईंधन भरने के लिए मे डे कॉल किया। दिल्ली से श्रीनगर जा रहा एक विमान ओलावृष्टि से जर्जर हो गया। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एक साल में बर्ड हिट के 462 मामले पाये गये।

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष–आज शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रमाद न करें।

वृष–आज प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है।

मिथुन–आज पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क–आज किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह–आज लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या–आज शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

तुला–आज वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

वृश्चिक–आज कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच?छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु–आज नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर–आज पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ–आज अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी।

मीन–आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

03 जुलाई- बेलारूस का स्वतंत्रता दिवस- इतिहास की राख से जन्मी अस्मिता और आज़ादी की सतत पुकार

तीन जुलाई का दिन बेलारूस के इतिहास में केवल एक तिथि नहीं है बल्कि यह वह क्षण है जब एक राष्ट्र ने भयावह युद्धों की राख से पुनर्जीवित होकर अपनी मुक्ति की पहली सांस ली थी यह दिन उस आशा की लौ है जो बरसों तक दमन और अधीनता की स्याही में बुझती रही फिर भी समाप्त नहीं हुई। यह स्मरण केवल 1944 में नाज़ी जर्मन फौजों से बेलारूस की राजधानी मिन्स्क की मुक्ति का पर्व नहीं है यह उन तमाम अस्मिताओं की प्रतीक तिथि है जो इतिहास की प्राचीन परतों में बारंबार कुचली जाती रही और फिर उठ खड़ी हुई यह वह दिन है जब एक भूखंड ने न केवल विदेशी शासकों से बल्कि अपने भीतर पलते भय से भी स्वतंत्र होने का साहस दिखाया बेलारूस का अतीत एक विचलित और लहूलुहान दस्तावेज़ है जहां बार-बार उसकी सीमाएं खिंची गई उसका नाम बदला गया और उसकी संस्कृति को किसी बाहरी सत्ता के नक्शे में ढालने की कोशिश की गई मध्य युग में यह क्षेत्र पोलैंड और लिथुआनिया के राष्ट्रमंडल के अंतर्गत रहा और फिर अठारहवीं सदी में रूसी साम्राज्य का हिस्सा बना वहां से बेलारूसी पहचान को मिटाने का अभियान चला उसकी भाषा को दबाया गया चर्चों को रूसी आर्थोडॉक्स रंग में रंगा गया और शिक्षा से लेकर शासन तक सब पर बाहरी वर्चस्व थोपा गया। फिर भी यह पहचान समाप्त नहीं हुई बल्कि वह जनमानस के भीतर एक मूक स्वाभिमान बनकर जीवित रही उन्नीसवीं सदी में कुछ बुद्धिजीवियों ने बेलारूसी भाषा में साहित्य रचना प्रारंभ की अपनी सांस्कृतिक विरासत की पुनर्खोज की और यह साबित किया कि यह भूभाग केवल एक उपग्रह प्रदेश नहीं बल्कि एक पृथक सभ्यता है जिसमें अपनी आत्मा है बीसवीं सदी की शुरुआत में जब रूसी क्रांति हुई और साम्यवाद के रंग में सोवियत संघ बना तब बेलारूस को भी उस संघ का एक हिस्सा बना दिया गया थोड़े समय के लिए स्वतंत्रता का भ्रम तो बना लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि वह स्वतंत्रता एक नई केंद्रीय सत्ता की छाया मात्र है बेलारूस को अब सोवियत समाजवादी गणराज्य के रूप में संगठित कर दिया गया जहां भूमि का सामूहिकीकरण हुआ स्वतंत्र प्रेस को खत्म किया गया अभिव्यक्ति को नियंत्रित किया गया और भाषा को रूसी प्रभुत्व में दबा दिया गया बेलारूसी भाषा स्कूलों से हटा दी गई सरकारी कामकाज में उसका प्रयोग कम किया गया और सांस्कृतिक गतिविधियां केवल उन्हीं सीमाओं में स्वीकार्य मानी गई जो मॉस्को से नियंत्रित होती थीं। लेकिन इन सब दमनात्मक नीतियों के बावजूद बेलारूसी जनमानस के भीतर एक चुपचाप जीवित पहचान पनपती रही यही वह चेतना थी जो 1941 में सामने आई जब जर्मनी ने सोवियत संघ पर हमला किया और बेलारूस उसकी सबसे पहली शिकार बना नाज़ी जर्मन फौजों ने बेलारूस की ज़मीन को बारूद और खून से ढंक दिया एक तिहाई आबादी मारी गई लाखों यहूदियों का

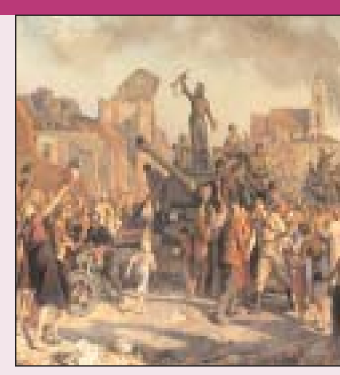

जनसंहार हुआ गांवों को जलाया गया बच्चों को जबरन मजदूर बनाया गया और समूचा राष्ट्र एक यातना शिविर बन गया। तीन जुलाई 1944 को जब मिन्स्क नाज़ी कब्जे से मुक्त हुआ तो वह केवल एक सैन्य विजय नहीं थी वह एक आत्मा की वापसी थी यह स्वतंत्रता औपचारिक नहीं थी लेकिन यह वह पहला क्षण था जब बेलारूसी लोगों ने अपने हिस्से की ज़मीन को फिर से छूने का अनुभव किया इसी घटना को स्मरण करते हुए हर साल यह स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है 1944 के बाद सोवियत सत्ता फिर से स्थापित हो गई बेलारूस को आर्थिक पुनर्निर्माण में झोंक दिया गया उद्योग स्थापित हुए शिक्षा का प्रसार हुआ मगर राजनीति और संस्कृति फिर भी संकुचित बनी रही भाषा के प्रति वह उपेक्षा बरकरार रही जो अब तक चली आ रही थी और बेलारूसी आत्मा एक फिर से अनुशासित दायरे में बाँध दी गई। 1991 में जब सोवियत संघ का अंत हुआ तो बेलारूस ने एक बार फिर अपने को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया परंतु यह स्वतंत्रता केवल विधिक रूप में थी व्यवहारिक रूप में वह स्वतंत्रता तब तक अधूरी रही जब तक उसमें नागरिक अधिकारों की बहाली न हो न्यायपालिका की निष्पक्षता न हो और विचारों की खुली उड़ान न हो। बेलारूस के पहले राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको 1994 से अब तक सत्ता में हैं एक ओर उन्होंने देश में स्थायित्व और आर्थिक संरचना को बनाए रखा वहीं दूसरी ओर लोकतंत्र के उन सभी मूलभूत स्तंभों को एक-एक कर कमजोर किया जो एक राष्ट्र को सचमुच स्वतंत्र बनाते हैं विपक्ष को लगातार प्रताड़ित किया गया मीडिया पर अंकुश लगाया गया अभिव्यक्ति को देशद्रोह से जोड़ा गया और हर विरोध की आवाज़ को या तो बंद कर दिया गया या देश से निकाल दिया गया।2020 में जब राष्ट्रपति चुनाव हुए और व्यापक धांधली के आरोप लगे तो पूरा देश आंदोलित हो उठा लाखों लोग सड़कों पर उतरे नारे लगे गीत गूंजे महिलाओं ने मोर्चा संभाला विद्यार्थियों ने संघर्ष किया और यह स्पष्ट किया कि बेलारूस की आत्मा अब और अधिक बंधन में नहीं रहना चाहती थी सत्ता ने दमन की नीति अपनाई हजारों गिरफ्तारियां हुई इंटरनेट बंद हुआ और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेलारूस को आलोचना का सामना करना पड़ा। रूस ने इस समय बेलारूस को खुला समर्थन दिया और बेलारूस की विदेश नीति अब धीरे-धीरे मास्को की छाया में ढलने लगी यूरोपियन यूनियन और अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्टें जारी कीं मगर ज़मीनी स्थिति बहुत नहीं बदली सत्ता अब भी वही है और जनता की आकांक्षाएं अब भी अधूरी हैं बेलारूस का स्वतंत्रता दिवस ऐसे समय में आता है जब यह राष्ट्र एक दोराहे पर खड़ा है एक ओर इतिहास की वह विरासत है जिसमें उसने विदेशी अधिपत्य को ललकारा दूसरी ओर वह वर्तमान है जिसमें सत्ता के भीतर की अधिनायकवादी प्रवृत्तियों से जूझना है और तीसरी ओर वह भविष्य है जो अब तक केवल सपनों में बसता है। यह दिन उन असंख्य वीरों की श्रद्धांजलि है जिन्होंने नाज़ी सेना से लड़ते हुए अपने प्राण गंवाए लेकिन यह दिन उन आधुनिक नागरिकों की भी उम्मीद है जो आज विचारों की स्वतंत्रता के लिए जेलों में बंद हैं जो निर्वासन में रहकर अपने देश के लिए कविता लिखते हैं जो अपने स्कूलों में बेलारूसी भाषा को फिर से जीवित करने की कोशिश करते हैं।बेलारूसी भाषा अब फिर लौट रही है युवा उसे अपनाने लगे हैं सोशल मीडिया के माध्यम से नए गीत नई कहानियां और नई चेतनाएं जन्म ले रही हैं यह एक नया सांस्कृतिक पुनर्जागरण है जो सत्ता की सीमाओं से परे एक नई क्रांति का संकेत है यह सशस्त्र नहीं है यह साहित्यिक है यह वैचारिक है यह नैतिक है। तीन जुलाई का पर्व अब केवल भूतकाल की विजय नहीं है यह एक वर्तमान की चेतावनी और भविष्य का वादा है स्वतंत्रता केवल एक बार प्राप्त नहीं होती उसे हर दिन अर्जित करना होता है हर पीढ़ी को अपने तरीके से उसे परिभाषित करना होता है और हर नागरिक को अपने हिस्से की आवाज़ उठानी होती है बेलारूस के लिए यह पर्व स्मृति और स्वप्न का संगम है यह वह दिन है जब एक राष्ट्र अपने अतीत की राख में अपनी आत्मा को ढूंढता है और अपने भविष्य के लिए संकल्प करता है यह वह दिन है जब बंदूकें शांत होती हैं और कलमें बोलती हैं जब झंडे हवा में नहीं बल्कि दिलों में लहराते हैं। तीन जुलाई बेलारूस का स्वतंत्रता दिवस है और इसका अर्थ अब केवल नाज़ियों से मुक्ति नहीं है इसका अर्थ है हर उस शक्ति से मुक्ति जो विचारों को कैद करती है भाषा को मारती है संस्कृति को कुचलती है और लोकतंत्र को प्रतीकात्मक बना देती है यह दिन उन्हें याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बनता वह उन मूल्यों से बनता है जिन्हें उसकी जनता जीती है जब तक बेलारूस की जनता अपनी पहचान के लिए उठ खड़ी होती है जब तक वह अपनी भाषा से प्रेम करती है अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करती है तब तक उसकी स्वतंत्रता जीवित है चाहे वह कितनी भी वंचित क्यों न हो यही इस दिन का सबसे बड़ा संदेश है, बेलारूस एक भूगोल नहीं एक जीवित आत्मा है और तीन जुलाई उसका सबसे प्रखर उद्घोष है।

हंसराज चौरसिया

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हम वचनबद्ध- ज्योति गर्ग

लखनऊ। राजधानी लखनऊके दूर संचार महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा ज्योती गर्ग की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें क्ल्स्हरु की महिला कर्मचारी की समस्याओं को सुना गया और उनके निदान के लिए बीएसएनल महाप्रबंधक पत्नी के द्वारा समस्या के निदान के लिए पूर्ण आस्वाशन दिया गया। महिला संग़ठन द्वारा भविष्य में होने वाले कार्यक्रम की चर्चा भी सभा मे की गई। इस बैठक में बीएसएनल महाप्रबंधक पत्नी ज्योति गर्ग ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए महिलाओं की समस्या को सुना। बैठक में उप महाप्रबंधक पत्नी शालिनी चंदेल शिल्पा कुमार ने महिलाओं की ऑफिस में कार्य करते समय प्रसारण तथा पेयजल जैसी अलग-अलग समस्या को ज्योति गर्ग के सामने रखा तथा आगामी 29 जुलाई को तीज समारोह तथा 15 अगस्त की तैयारी को लेकर कार्यशैली बनाई गई।

नैमिष में स्वदेश दर्शन के अन्तर्गत विभिन्न स्थलीय विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति एवं उससे जुड़े प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीतापुर दिनांक 02 जुलाई 2025 जिलाधिकारी बैठक में कलेक्ट्रेट सभागार में नैमिष में स्वदेश दर्शन के अन्तर्गत विभिन्न स्थलीय विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति एवं उससे जुड़े प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत नैमिषारण्य मास्टरप्लान का प्रस्तुतीकरण पी0पी0टी0 के माध्यम से किया गया, जिसमें आईबीआई से विजय प्रकाश (डेस्टिनेशन को ऑर्डिनेटर), तनमय कपूर (अर्बन डिज़ाइनर) तथा डेलाइट से सम्राजी पॉल ने मास्टरप्लान प्रस्तुत किया। टीम ने नैमिषारण्य में किए जाने वाले शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म परियोजनाओं की जानकारी दी। जिलाधिकारी सीतापुर ने प्रस्तुतीकरण की सराहना की और अपनी सुझाव डिजाइनिंग टीम को प्रदान किए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट कृष्णा नंद तिवारी, उपजिलाधिकारी मिश्रिख शैलेन्द्र मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत, मृतक की मां ने गलत इंजेक्शन देने का लगाया आरोप

बिसवां सीतापुर बिसवां के मोहल्ला थाना तहसील में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हिमांशु शाह के रूप में हुई है, जो राजेश के पुत्र थे। मंगलवार की रात हिमांशु की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे बगिया नामक निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। अगली सुबह हिमांशु दवाई लेने अस्पताल पहुंचा। मृतक की मां सोनी शाह के अनुसार, अस्पताल में उनके बेटे को दो इंजेक्शन लगाए गए। इंजेक्शन लगते ही हिमांशु की सांस रुक गई और उसका शरीर अकड़ने लगा। डॉक्टर के कुछ कर पाने से पहले ही उसकी सांस वापस नहीं आई। परिजन तुरंत हिमांशु को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां ने बगिया अस्पताल पर गलत इंजेक्शन देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गलत इंजेक्शन की वजह से उनके बेटे की मौत हुई। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है।

शांति एवं सौहार्द के साथ मनाये जायें मोहर्रम, कावड़ यात्रा एवं अन्य त्यौहार

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर दिनांक 02 जुलाई 2025 आगामी त्यौहारों/पर्वो पर साम्प्रदायिक सद्भाव, शांति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में पुलिस लाइन स्थित महर्षि दधीचि सभागार में बुधवार को जनपदीय पीस कमेटी/शान्ति एवं कानून व्यवस्था संबंधी बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान आगामी पर्वो एवं त्योहारों के संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा अभी तक की गयी तैयारियों की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने अपेक्षा की कि किसी भी नई परम्परा की शुरुआत न की जाये। ताज़िए की ऊंचाई निर्धारित ऊंचाई से अधिक न रखी जाये। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों द्वारा उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिन पर प्रशासन द्वारा गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी उपस्थितजनों ने जनपद में शांति एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने हेतु प्रशासन को अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन हेतु पूर्ण तैयारी सुनिश्चित की जाए। ताजिया की ऊंचाई निर्धारित सीमा से अधिक न हो, और डीजे पर केवल धार्मिक भजन/संगीत का ही प्रयोग हो। किसी भी धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने वाले संगीत को न बजाया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि संबंधित अधिकारी डी0जे0 संचालकों के साथ बैठक कर नियमों से अवगत करा दें। अधिकारीगण अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। विभिन्न समुदायों के बीच समन्वय एवं संवाद बनाए रखने हेतु अधिकारी सक्रिय भूमिका निभाएं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सम्बंधित मार्गो को गड्ढा मुक्त किया जाए। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता एवं प्रकाश हेतु प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

मंदिरों एवं कावड़ मार्गो पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही सी0सी0टी0वी0 की भी व्यवस्था करने हेतु जिलाधिकारी ने निर्देशित किया। घाटों पर चेतावनी बोर्ड के साथ प्रकाश की व्यवस्था, ट्रासफार्मर के आस-पास सुरक्षात्मक उपाय किये जायें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाये।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। कोई भी कार्य गैर-पारंपरिक या विवादित तरीके से न किया जाए। आयोजकों को चेतावनी देते हुये कहा कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर जवाबदेही तय की जाएगी, इसलिये नियमों का पूर्णतया पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित मांस/मछली की दुकानों पर एस0ओ0पी0 का पालन सुनिश्चित किया जाये। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट कृष्णानंद तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित समस्त उप जिलाधिकारीगण, पुलिस उपाधीक्षकगण, जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्भ्रांत नागरिकगण, शांति समिति के सदस्यगण व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग स्कूटी सहित घर का सामान जलकर हुआ ख़ाक, परिवार ने भागकर बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात

हरगांव सीतापुर हरगांव थाना क्षेत्र स्थित अवध शुगर मिल कॉलोनी में मंगलवार देर रात शॉर्ट सर्किट से एक घर में भीषण आग लग गई हादसे में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया आग लगने से परिवार में हड़कंप मच गया और लोग किसी तरह जान बचाकर घर से बाहर भागे। जानकारी के अनुसार मिल कर्मचारी विजेंद्र कुमार मिश्रा के घर अचानक शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर में रखा फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, जरूरी दस्तावेज तथा एक स्कूटी जलकर खाक हो गई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आस-पड़ोस के लोग भी दहशत में आ गए घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक घर में रखा पूरा सामान नष्ट हो चुका था। इस हादसे में करीब तीन लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है विजेंद्र मिश्रा ने बताया कि रात में अचानक बिजली के तारों में स्पार्किंग की आवाज आई और देखते ही देखते आग फैल गई परिवार के सदस्य सो रहे थे और आग की तपिश महसूस होते ही सभी ने शोर मचाया आनन-फानन में दरवाजा खोलकर सभी लोग बाहर निकल आए गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया है पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है घटना के बाद से परिवार पूरी तरह सदमे में है!!

लहरपुर में 240 पियर एजुकेटर सम्मानित किशोर किशोरियों को स्वास्थ्य जागरूकता के लिए छाता, घड़ी और बैग भेंट

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य किशोर कार्यक्रम के तहत एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर अरविंद बाजपेई ने गांवों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पियर एजुकेटरों को सम्मानित किया इन एजुकेटरों ने अपने-अपने गांवों में किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूक किया सम्मान स्वरूप उन्हें छाता, घड़ी और बैग प्रदान किए गए पियर एजुकेटर गांवों में किशोर-किशोरियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म और नशा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षित करते हैं सरकार की ओर से समय-समय पर इन एजुकेटरों को प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम में कुल 240 पियर एजुकेटर सम्मानित किए गए इस अवसर पर बीसीपीएम मनोज वर्मा, बीपीएम गौरव सक्सेना, काउंसिलर सविता दीक्षित मौजूद थीं विश्व स्वास्थ्य संगठन से विजय अवस्थी और यूनिसेफ से अखिलेश पांडे भी उपस्थित थे स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुशीलचंद्र सहित खुशबू, रामसनेही, रविंद्र, मनीषा, रोशनी, विकास, पूजा और सत्येंद्र जैसे पियर एजुकेटर भी कार्यक्रम में शामिल हुए!!

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार मजदूर गंभीर घायल, कार खाई में गिरी

● .....डॉक्टर की तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, पुलिस ने कार सहित चालक को लिया हिरासत में।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची निगोहां पुलिस ने घायल को तत्काल सीएचसी भेजा और कार व उसके चालक को कब्जे में लेकर थाने ले गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर गांव निवासी राजू (40) पेशे से मजदूर है। वह बुधवार सुबह अपनी बाइक से निगोहां कस्बे जा रहा था। जैसे ही वह खड़ंजे से होते हुए निगोहां-नगराम मुख्य मार्ग पर पहुँचा, तभी सामने से नगराम की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। कार लखनऊ के डॉक्टर पंकज वर्मा चला रहे थे, जो अपनी क्लिनिक जा रहे थे।टक्कर लगते ही बाइक सवार राजू सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मामले की जानकारी मिलते ही निगोहां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई आनंद ने बताया कि घायल मजदूर को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाया गया है। कार और उसके चालक को थाने लाया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का चलना आम बात है और दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर और ट्रैफिक नियंत्रण की मांग की है।

दरोगा पर हमला करने वाले फरार दो आरोपी गिरफ्तार

नगराम। लखनऊ, नगराम थाना क्षेत्र के बरकत नगर चौराहे के पास बीते सोमवार को पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई नगराम पुलिस ने की है। घटना के दिन उपनिरीक्षक अनुज भाटी हमराह पुलिसकर्मी के साथ नगराम क्षेत्र से लौट रहे थे। रास्ते में करोरा की ओर एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल खड़ी दिखी। संदेह होने पर जब दरोगा ने जानकारी व कागजात मांगे, तो वहां मौजूद युवक उलझने लगे और पुलिस टीम पर फौजदारी पर उतारू हो गए।हमले के बाद एक आरोपी मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया था और दो आरोपी मौके से फरार हो गए थे पूरे मामले की नगराम पुलिस ने तत्काल सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। और फरार दोनों आरोपी राहुल पुत्र राकेश नरेंद्र पुत्र जयकरण निवासी साहन खेड़ा गांव के रहने वाले है। इनको बुधवार की सुबह करोरा बाजार के पास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों को भी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।नगराम पुलिस ने इस कार्रवाई को बड़ी

सफलता बताया है और कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से निगरानी की जा रही है।

"ओज, श्रृंगार और चेतना से सजी काव्य संध्या"

● "शब्दों में समाज, मंच पर महाकाव्य- पारा परसादीपुर का ऐतिहासिक कवि सम्मेलन"

स्वतंत्र प्रभात

पहला/सीतापुर। जिले के प्रतिष्ठित आदर्श जनता विद्यालय, पारा परसादीपुर, पहला सीतापुर में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एक ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक संध्या का प्रतीक बन गया, जिसमें विभिन्न जनपदों के कवियों ने समाज, संस्कृति, प्रेम, वीरता और समसामयिक चिंताओं को स्वर और श्रृंगार दिया। लखनऊ से पधारे सुप्रसिद्ध कवि संदीप 'सृजल' ने ग़ज़ल और आधुनिक कविता के माध्यम से संवेदनाओं की गहराइयों को छुआ। उनका शेर "ख्वाब ओखों में बहरता है ग़ज़ल, लिखता हूँ" सभागार को भीतर तक आंदोलित कर गया। मिश्रिख के प्रख्यात संचालक रोहित विश्वकर्मा 'मधुर' ने अपनी ओजस्वी वाणी से संचालन का भार उठाते हुए जब पंक्तियाँ सुनाई-

"कभी त्रिदेव बन बालक स्वयं मनुहार जाते हैं, यहाँ यमराज भी नारी के आगे हार जाते हैं।" तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। अनिल यादव 'अनिकेत' (हरदोई) ने अंधकार पर करारा व्यंग्य करते हुए कहा - "हाय उजला माँगता, दीपक हाथ वरसार वसार। के हाथों बिक गई सूरज की सरकार तम के।" पिंकी अरविंद प्रजापति (सिधौली, सीतापुर) ने स्त्री-चेतना और सामाजिक यथार्थ की नई परिभाषा गढ़ते हुए कहा - "माँ बाप से बड़ा कोई भगवान नहीं।" शैलेश माही (बाराबंकी) की रचनाओं में सौंदर्य और यथार्थ का सुंदर संगम था। अंकित कुमार प्रजापति (महमूदाबाद) ने खेत-खलिहान और श्रम-संस्कृति का सजीव चित्रण करते हुए श्रोताओं को ग्रामीण जीवन की मिट्टी से जोड़ दिया - "जो अन्न से पेट भरै जग का और धूप में खेत में काम करत है..." अलोक आदर्श (सीतापुर) की ओजपूर्ण कविताओं ने आम जन और कृषक जीवन की संघर्षगाथा को मंच पर जीवंत किया। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार यादव (जिला पंचायत सदस्य) रहे, जिन्होंने मंच से नई पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के संयोजक श्री दिनेश कुमार भार्गव (प्रधान, पारा परसादीपुर) और संरक्षक श्री विजय कुमार यादव (प्रबंधक, आदर्श जनता विद्यालय) ने स्थानीय स्तर पर साहित्य को समर्थन देने की जो पहल की, वह सराहनीय रही। प्रधानाचार्य श्री अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में आदर्श जनता विद्यालय परिवार तथा क्षेत्रीय इष्ट-मित्रों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कवि सम्मेलन केवल काव्य-गोष्ठी नहीं बल्कि संवेदनाओं की साझा विरासत का उत्सव था। मंच पर गूंजती कविताएं, श्रोताओं की तालियाँ और साहित्य की महक से महकता वातावरण- सब कुछ इस बात का प्रमाण था कि ग्रामीण भारत में भी साहित्य की जड़ें गहरी हैं और उसकी शाखाएँ फलदार हैं।

होटल बंद कर लौट रहे व्यक्ति को मारी गोली

बाइक सवार लोगों ने पीछे से मारी गोली, कमर में फंसी

मथुरां। वृंदावन से होटल बंद कर लौट रहे व्यक्ति को थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत अज्ञात बाइक सवार ने गोली मार दी। पीछे से चलाई गयी गोली व्यक्ति की कमर में जा फंसी और वह घायल होकर नीचे गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सक ने अब हालत खतरे से बाहर बताई है। वहीं पुलिस आरोपियों की पहचान हेतु सीसीटीवी कैमरे खंगालने में लगी हुई है। थाना जैंत क्षेत्र के गांव चौमुहां निवासी राजकुमार पुत्र सौदों वृंदावन में होटल चलाता है। बुधवार रात्रि वह ढाबा बंद कर बाइक से गांव लौट रहा था। जैंत थाना क्षेत्र अंतर्गत हाइवे स्थित जैंत माइनर के समीप पीछे से बाइक सवार में राजकुमार में गोली मार दी। गोली उसकी कमर में जा फंसी। जिसके बाद वह घायल होकर नीचे गिर गया। राहगीर ने थाना जैंत पुलिस को सूचना दी।

"एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत विधायक मनीष रावत ने किया वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली तहसील क्षेत्र के अंतर्गत वन प्रभाग सीतापुर द्वारा संचालित वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत ऊंचाखेड़ा कला में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री मनीष रावत जी ने भावनात्मक पहल एक पेंड़ मां के नाम के अंतर्गत सिंदूर का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान 2025 की शुरुआत की। यह कार्यक्रम रेन्ज सिधौली द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक, विद्यालयों के छात्र, शिक्षकों तथा वन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृशक्ति और धरती मां के प्रति सम्मान प्रकट करना रहा। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान लोगों में भावनात्मक जुड़ाव उत्पन्न करते हुए वृक्षारोपण को एक सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ता है। इस अवसर पर विधायक श्री रावत ने कहा कि "वृक्ष लगाना केवल प्रकृति की सेवा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जीवन देने का संकल्प है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाना चाहिए।" कार्यक्रम में ग्रामीणों को वृक्षारोपण के महत्व, सिंदूर जैसे औषधीय पौधों के लाभ, और जलवायु संतुलन में वन क्षेत्र के योगदान के विषय में जागरूक किया गया।

महिला की हत्या में पति समेत पांच लोग गिरफ्तार आर्केस्ट्रा में डांस को लेकर था विवाद, नाबालिक बेटी ने दिया था बयान

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में रामकोट थाना क्षेत्र के ग्राम इल्सियाग्रांट में बच्चों के सामने मां की डंडों से पीट-पीटकर हत्या करने वाले तीन और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस तीन दिन पहले ही मृतका के पति और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर चुकी थी वारदात की वजह महिला का आर्केस्ट्रा में डांस करने का पति द्वारा विरोध बताया जा रहा है घटना 27 जून की देर रात की है मृतका सुशीला (30) का उसके पति अमृत से लंबे समय से विवाद चल रहा था बताया गया कि दोनों के बीच तलाक का मुकदमा हाईकोर्ट में विचाराधीन है। मृतका की मां यशोदा पत्नी प्रमोद निवासी बरातपुर थाना महोली ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पहले आर्केस्ट्रा में काम करती थी लेकिन अब यह काम छोड़ चुकी थी इसके बावजूद अमृत इस बात को लेकर उससे नाराज रहता था रात में अमृत ने अपने चार साथियों को बुलाकर झगड़ा शुरू किया देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि अमृत ने डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर पत्नी की हत्या कर दी यह पूरी घटना मृतका की नाबालिग बेटी काजल और बेटे आदर्श के सामने हुई पुलिस ने मृतका की बेटी के बयान पर पति अमृत सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। सीओ सिटी अमन सिंह ने बताया कि आरोपी अमृत और उसके साथी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है शेष तीन आरोपी छोटे सिंह उर्फ बाबा पुत्र गया सिंह निवासी ग्राम बरातपुर थाना महोली हिस्ट्रीशीटर शरीफ गद्दी उर्फ तेरहखाना पुत्र स्व. शहजादे निवासी ग्राम अमीरपुर मजरा महेबा थाना महोली और नीरज भार्गव को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है पुलिस का कहना है कि वारदात में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है!!

कार्यालय ग्राम पंचायत भिटहा विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांक- मनरेगा/पंचम वित्त पंद्रहवां वित्त, निविदा प्रकाशन — दिनांक 04/07/2025

विकास खंड-हलिया मिर्जापुर के ग्राम पंचायत में पंचम राज्य वित्त/ पंद्रहवां वित्त/मनरेगा योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 मे परियोजनाओं पर सामग्री आपूर्ति किया जाना है। उक्त निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्ति करता फर्मे सामग्री हेतु निविदा फार्म प्रस्तुत कर सकते हैं। नियम व शर्ते फॉर्म के साथ दिया जायेगा। विकासखंड हलिया मिर्जापुर में पंचम राज वित्त/केन्द्रीय वित्त मनरेगा एव फेस 2 योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 मे ग्राम पंचायत के द्वारा कराए जाने वाले विकास कार्यों के लिए ईट, रोडी, भस्सी, सीमेंट, मोटी बालू, लोकल महीन बालू, गिट्टी, पटिया, मोरंग, इंटरलॉकिंग, ईट, सोलर, लाइट, स्ट्रीट लाइट, सरिया, स्टोन, डस्ट,एम्बेस्टस सीट, टीन शेट, सीमेंट ईट, कट स्टोन, पेंट, गेट, दरवाजा, टाइल्स, हैंडपंप सामग्री,डालाग्रिस्ट, विद्युत सामग्री, स्नोसेम,डस्टम्पर, प्राइमर, प्लाईवुड, कोटा स्टोन, जीएसबी, सीआई बोर्ड, पीवीसी पाइप, ह्युम पाइप, कंप्यूटर, कुर्सी, मेज, अलमारी, डब्ल्यूसी, पेन, बोल्डर, व शौचालय शेट, हैडपंप रिबोर, शवदाह गृह, सामुदायिक शौचालय, डस्टबिन, ठेला, ई रिक्शा, कचडा दान, व अन्य सामग्री के क्रय हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक पंजीकृत करने दिनांक 4-7-2025 से 4-7-2025 तक दिन मे 11 बजे से 2 बजे तक अपनी सीलबंद निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा दिनांक दिन 4-7-2025 दोपहर 2 बजे क्रय निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा के शर्तें एवं आवेदन पत्र संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव अथवा रोजगार सेवक पंचायत सहायक से किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से 3:00 बजे तक लिया जा सकता है

अजय कुमार गिरी
ग्राम प्रधान

गौरव कुमार
सचिव

धूमधाम से मनाया गया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश का 53 वां जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात

चुनार मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 वां जन्मदिन मड़िहान विधानसभा के आशिक ब्लॉक जमालपुर एवं नरायनपुर के तहसील परिसर में समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती वंदना पटेल के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यकर्ताओं द्वारा केक काटते समय अखिलेश यादव जिंदाबाद के गगनचुंबी नारे लगाए गए उपस्थित समाजवादी कार्यकर्ता एक दूसरे को केक खिलाते हुए अपनी खुशी का इजहार किये ।

तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुनार में मरीजों को फल वितरण किया गया और उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना की। इस दौरान सुरेश पटेल, संतोष यादव, रमेश सिंह स्वामी ,पंकज पटेल प्रदेश सचिव यूवजन सभा, शीतला यादव, राजन यादव, राम लखन यादव, सूर्यबली सिंह यादव पूर्व सभासद ,नरेंद्र यादव, राजीव यादव, रवि यादव, शहजादे एडवोकेट ,पुनवासी यादव सहित दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

धनपुरी क्षेत्र वासियों को मिलेगी डायलिसिस की सुविधा

शहडोल विधायक श्री जय सिंह मरावी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपुरी में डायलिसिस मशीन की सुविधा का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबडा, पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम श्रीमती अमिता चपरा, सी.एम.ओ. श्रीमती पूजा बुनकर, पार्षद, चिकित्सक तथा गणमान्य नागरिक एवं मरीजो के परिजन उपस्थित रहें।

सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों से जाम, नागरिक परेशान

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के सुभाष नगर और आद्या प्रसाद नगर वार्ड में सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों से आए दिन जाम की समस्या हो जा रही है जिससे नागरिक परेशान है। नागरिकों का आरोप है की शिकायत के बाद भी जिम्मेदार उदासीन बने हुए है। कस्बा में जाम की समस्या कोई नई बात नही है। यह समस्या आए दिन बनी हुई है। कस्बा में वाहनों के बेतरतीब खड़े होने के कारण आए दिन समान से लदा ठेला, बाइक अन्य वाहन नही निकल पता है जिस कारण घंटो जाम लगा रहता है। इससे राहगीरों सहित कस्बा आई नागरिकों को आवागमन में काफी दिक्कत होती है। कस्बा के लोगो ने प्रशासन से जाम की समस्या दूर करने की मांग की है।

बरसात से सड़क पर चलना हुआ दूभर

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार से जिला मुख्यालय जाने वाली सड़क मदन पुर गांव तक काफी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क में गड्ढे बन गए है। इन दिनों बरसात शुरू हो गया है। बरसात से सड़क में बने गड्ढों में पानी भर गया है, इससे राहगीरों का आवागमन दूभर हो गया है। लोगो के कपड़े खराब हो जा रहे है। क्षेत्र के लोगो ने प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग की है।

सुरीर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा

मथुरा। थाना सुरीर पुलिस द्वारा ग्राम नगला मौजी में हुयी चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया गया है। थाना सुरीर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर टैटीगाँव सुरीर बाईपास रोड पर सुरीर रोड से करीब 50 मीटर खैर रोड की तरफ से मानवेन्द्र पुत्र राजेन्द्र निवासी राजागढी थाना सुरीर जनपद मथुरा व पिक्को पुत्र पाली सिह निवासी राजागढी थाना सुरीर जनपद मथुरा उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। इनके पास से मोबाईल, एक आधार कार्ड, जिस पर कमलेश लिखा है। पास बुक पर कमलेश पत्नी वासुदेव निवासी सुरीर कंला माटं मथुरा लिखा है।

सुपारी देकर पति की हत्या कराने की आरोपी पत्नी की जमानत याचिका खारिज

मथुरा के हाईवे थाना क्षेत्र में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कराने की घटना में मंगलवार को जिला एवं न्यायाधीश की कोर्ट ने महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पूर्व इसी मामले में तीन अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज की जा चुकी हैं। जिनमें एक महिला का प्रेमी और दो सुपारी लेकर हत्या करने के आरोपी हैं। हाईवे थाना क्षेत्र के सौंख रोड स्थित नगला माना में 22 नवंबर की रात को घर में घुसकर उमेश की दो युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्यारोपी मृतक युवक की पत्नी नेहा और पवन ने मिलकर 8 लाख रुपये में उमेश की हत्या की सुपारी अजय व कुनाल को दी थी। पुलिस ने 25 नवंबर को मुठभेड़ में दोनों को गिरफ्तार किया था। नेहा की ओर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में 17 जून को जमानत याचिका दायर की थी। मंगलवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए हत्यारोपी महिला की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

24 जुलाई को लगेगी पेंशन अदालत

मथुरा। वरिष्ठ कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के आदेशानुसार 24 जुलाई 2025 को अपराह्न एक बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पेंशन अदालत आयोजित किया जाना है। जिन पेंशन भोगियों को पेंशन सम्बन्धी कोई समस्या हो तो वह अपनी समस्या सम्बन्धी वाद पत्र दो प्रतियों में वरिष्ठ कोषाधिकारी मथुरा कार्यालय में दिनांक 14 जुलाई 2025 तक प्रस्तुत करने का कष्ट करें। आयोजित पेंशन अदालत में केवल वही पेंशन भोगी अपने प्रत्यावेदन के साथ उपस्थित होगें, जिनकी कोई पेंशन सम्बन्धी समस्या हो।

इंटरनेशनल लेबर फाउंडेशन जापान द्वारा टोक्यो में आयोजित कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे कमर साबरी

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। जापान के शहर टोक्यो में इंटरनेशनल लेबर फाउंडेशन कार्यक्रम का आयोजन 1 से10 जुलाई 2025 किया जा रहा है, जिसमें जापान, भारत एवं श्रीलंका के श्रमिक नेता भाग लेंगे। भारतीय मजदूर संघ एवं इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि भारत की ओर से इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं इस कार्यक्रम में विशेष प्रशिक्षण, मजदूरों के हित एवं राष्ट्र की प्रगति और विकास में श्रमिकों के योगदान के अलावा श्रमिकों के अधिकार की रक्षा, उनके लिए बेहतर कामकाजी माहौल,उचित वेतन, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं श्रमिकों के लिए अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आदि पर गहन चिंतन मंथन एवं विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा!

इस कार्यक्रम में मुंगेर शहर के चुरंबा निवासी श्रमिक नेता मोहम्मद कमर साबरी उर्फ गुलाब साबरी इंटक के प्रतिनिधि के रूप में भाग ले रहे है उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव रेड्डी एवं नेशनल वाइस प्रेसिडेंट चंद्र प्रकाश का आभार व्यक्त किया जिनके प्रयास से उन्हें टोक्यो में आयोजित श्रमिकों के इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि भारत में श्रमिकों की अहम भागीदारी एवं सशक्त भारत के निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका मील का पत्थर साबित हो रहा है। मो.कमर साबरी ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक विभिन्न तरह की समस्याओं शोषण एवं अनुकूल वातावरण तथा अन्य सुविधाओं के अभाव में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। इन ज्वलंत मुद्दों पर विभिन्न देशों का क्या नजरिया है तथा श्रमिकों की समस्याओं सुविधाओं पर अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक नेताओं के विचार के आदान-प्रदान का यह सशक्त प्लेटफार्म होगा। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में श्रमिकों के महत्वपूर्ण भूमिका होती है, परंतु वह खुद सुविधा एवं वास्तविक हक से वंचित रह जाते हैं। किंग ज्वलंत मुद्दों का अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषण टोक्यो में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य बिंदु होगा।

प्रियंका अग्रवाल को मिला बेस्ट प्रिंसिपल का अवार्ड

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत अंतर्गत स्थित सेंट जोसेफ स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका अग्रवाल को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में सिद्धार्थनगर का बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड प्रदान किया गया। इंडियन जीनियस अवॉर्ड के इस कार्यक्रम की कॉर्डिनेटर किरन श्रीवास्तव रही। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने भी प्रतिभाग किया। स्कूल के छात्र अनुपम जायसवाल को स्मार्ट वॉच एवं सौम्य वर्मा को साइकिल बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर स्कूल के मैनेजर मनोज पीटर ने शुभकामना दिया है।

प्रेम प्रसंग में पति लगा रहा था अडंगा, मिली खौफनाक मौत

● मृतक के भाई ने दी है नामजद तहरीर, मृतक की पत्नी और प्रेमी को बनाया आरोपी

मथुरा। कोसीकला क्षेत्र के गांव ऐंच में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक के भाई ने थाना कोसीकला में मृतक की पत्नी और गांव के ही एक अन्य युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। भाई की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुंलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक कर्नाटक में कंबाइन मशीन चलाता था। वह तीन महीने पहले कर्नाटक से गांव आ गया था। इसके बाद वह तीन महीने से गांव में ही रह रहा था। पुलिस मृतक के भाई से तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है। मृतक के भाई गंगवासी उर्फ सचिन ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उसके 27 वर्षीय भाई गोविंद की गांव के गुंजार नामक युवक ने धारदार हथियार से बार कर हत्या कर दी। गुंजार के भाई की पत्नी से संबंध थे। जिसको लेकर उसके भाई ने कई बार विरोध किया। गोविंद शाम 6 बजे शराब पीकर गांव से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा, तो परिजन उसे खोजने निकले। गांव से करीब 500 मीटर दूर एक भट्टे के पास गोविंद का शव खून से लथपथ मिला। ग्रामीणों ने रात करीब साढे ग्यारह बजे पुलिस को सूचना दी। कोसीकला थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गर्दन पर धारदार हथियार के निशान मिले है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि शव की हालत देख कर लग रहा था कि उसे तडपा तडपा कर मारा गया है।

डॉ जावेद अहमद क्राइस्ट चर्च कॉलेज कानपुर में बने असिस्टेंट प्रोफेसर, लोगों ने जताया खुशी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ अंतर्गत बर्डपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बरगदी के टोला बरगदवा निवासी डॉ जावेद अहमद की नियुक्ति क्राइस्ट चर्च कॉलेज कानपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ है। असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर उन्हें नियुक्ति मिलने पर लोगों ने खुशी का इज़हार कर बधाई दी है।

बर्डपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बरगदी के टोला बरगदवा निवासी डॉ जावेद अहमद की नियुक्ति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के क्राइस्ट चर्च कॉलेज कानपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ है। डॉ जावेद ने हाई स्कूल की परीक्षा बर्डपुर क्षेत्र के शहीद-ए- आजम भगत सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजहा बाजार और इंटरमीडिएट की परीक्षा शिवपति इंटर कॉलेज शोहरतगढ़ से हासिल किया, जबकि स्नातक बीएससी बायोलॉजी की परीक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय और एमएससी जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली से किया है। डॉ जावेद ने मध्य प्रदेश के सागर स्थित हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री को हासिल करने के बाद वहीं पर जूलोजी डिपार्टमेंट में योगदान दे रहे थे। अब उनकी नियुक्ति क्राइस्ट चर्च कॉलेज कानपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर जूलॉजी पद पर हुआ है।

डॉ जावेद अहमद को असिस्टेंट प्रोफेसर बनाये जाने पर प्रो. सुबोध कुमार जैन, प्रो. सिद्धार्थ कुमार मिश्रा, डॉ. हिमांशु दीक्षित, मोहम्मद मुकीम, दिलीप कुमार यादव, डॉ. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशीष श्रीवास्तव डॉ. विनीता रावत, डॉ. अतुल उपाध्याय, डॉ हरि प्रकाश यादव, प्रधानाचार्य हिना खान, सदस्य जिला पंचायत जहूर खान, मंसूर अली, निसार अहमद, एडवोकेट सरफराज अहमद, फिरोज खान, नीलम चौधरी, निधि गुप्ता, किरण सिंह, सरताज आलम, मुस्तन शेरुल्लाह, सगीर-ए-ख़ाकसार, शमशीरुल हक आदि लोगों ने बधाई दी।

बीइओ ने कम्पोजिट विद्यालय लेदवा का किया निरीक्षण, नामांकन बढ़ाने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ अंतर्गत कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा का औचक निरीक्षण बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने किया। निरीक्षण के समय सभी शिक्षक उपस्थित मिले। एमडीएम मीनू अनुसार तहरीर बना मिला। बच्चों ने दूध का वितरण होना बताया। नामांकित 249 के सापेक्ष 130 बच्चे उपस्थित मिले। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को नियमित समय से उपस्थित रहकर शिक्षण कार्य में योगदान देने की बात कही। बच्चों के नामांकन को बढ़ाने और विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों का सुचार के संचालित करने का निर्देश दिया। खंड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ संजय कुमार ने कक्षा कक्ष में जाकर बच्चों से संवाद किया। पुस्तक वितरण स्थिति, एमडीएम, दूध वितरण और पठन-पाठन के बारे में बच्चों से पूछताछ किया। विद्यालय में बन रहे एमडीएम देखकर गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों व शिक्षकों को स्कूल चलो अभियान व संचारी रोग अभियान कार्यक्रम में सहभागिता देने की बात कही और बच्चों व शिक्षकों के साथ संचारी रोग नियंत्रण अभियान संबंधी शपथ भी दिलाया। विद्यालय के आईसीटी लैब, कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, खेल कूद सामग्री सहित किचन गार्डन , पेयजल , शौचालय व्यवस्था को भी उन्होंने देखा। विद्यालय में ग्राम पंचायत द्वारा निर्माण कराये जा रहे अधूरे पड़े दिव्यांग शौचालय को देख उन्होंने उसे पूरा करने के लिए आश्वासन दिया। इस दौरान विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार, मुस्तन शेरुल्लाह, मनमोहन, सिद्धार्थ कुमार, राकेश

कुमार राज, राकेश कुमार जायसवाल, रेनू मद्धेशिया आदि लोग मौजूद रहे। इसी तरह खंड शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय महथा व लेदवा माफी का भी निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, नामांकन करने आदि का आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान प्रीति मिश्रा, सरिता देवी, निधि सिंह, मोहन, नागेंद्र, क्षमा अग्निहोत्री, सुनील कुमार सामग्री आदि लोग मौजूद मिले।

रात में दो मकानों से लाखों की चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना राया क्षेत्र के गांव कोयल में मंगलवार की रात्रि तीन अज्ञात चोरों ने दो मकानों से लाखों रुपए की नगदी व सोने चांदी के आभूषण चुराकर ले गए। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी। जानकारी अनुसार गांव कोयल निवासी रविन्द्र व संजय के दो अलग अलग मकानो को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाकर कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर लाखो रुपयों की नगदी व सोने चांदी के जेवरात कीमती कपड़े चुराकर ले गए। सुबह होने पर अलमारी के ताले टूटने और समान इधर उधर विखरे होते देख परिजनों के होश उड़ गए। और चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल फोरेंसिक टीम के घटनास्थल पर पहुचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली।वही आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक करवाये जिसमे तीन अज्ञात चोर घटना के समय दिखायी दे रहे है। पुलिस चोरी की घटना का खुलासे को लेकर जांच में जुट गयी है।

चोरी वाले घर में बिखरा पडा सामान।

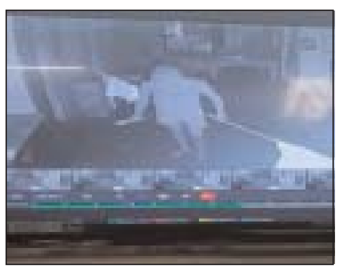

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की घटना।

घटना के दौरान सीसीटीवी में कैद चोर

राया के कोयल में देर रात्रि हुई लाखो रुपये की चोरी के दौरन घर मे लगे सीसीटीवी में कैद चोरी की घटना को अंजाम देता दिखाई पड़ रहा अज्ञात चोर जिसका सीसीटीवी फुटेज शोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कच्छा बनियान में दिखे चोर

मंगलवार देर रात्रि को गाँव कोयल के दो घरों में हुई लाखो की चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों में भय का माहौल है। वही चोर इतने शातिर किस्म के दिखलाई पड़ते है। कि घरों में सो रहे लोगों को जरा सी भी आवाज नही हुई और चोर चोरी की घटना को अंजाम देते रहे। लोगों का मानना है। जिस प्रकार सीसीटीवी कैमरों में चोर दिखाई दे रहे है उससे प्रतीत होता है। चोर कोई और नही आस पास के ही क्षेत्र के है। जो कच्चा बनियान पहन कर चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए वे इस लिवास से ग्रामीण व पुलिस का ध्यान तो नही भटकाना चाहते है। जिससे पुलिस कच्छा बनियान गिरोह को ढूंढे ओर चोर अपने मंसूबो में कामयाब हो सके।

कॉरिडोर: भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा विरोध अब सांकेतिक ही होगा

● प्रशासन ने नहीं दी प्रदर्शन की अनुमति तो बदला इरादा

महासभा के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों की निंदा की

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जिला प्रशासन द्वारा बांके बिहारी मंदिर न्यास ट्रस्ट एवं कॉरिडोर के विरोध प्रदर्शन को प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई। इसलिए जो तीर्थ पुरोहित चार जुलाई को आ जाएंगे उनके साथ दो बजे बिहारी जी मंदिर के मुख्य द्वार पर सांकेतिक रूप से प्रदर्शन किया जाएगा। उसके बाद ठाकुर जी के दर्शन करके वहीं प्रेस को संबोधित किया जाएगा और आगामी रणनीति भी सभी तीर्थ पुरोहितों के साथ बैठकर तय की जाएगी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक द्वारा बताया कि के 4 जुलाई को लगभग 5000 पुरोहितों के इकठ्ठा होने की संभावना थी परंतु प्रशासन द्वारा मुड़िया पूर्णिमा मेले के करण अनुमति नहीं दी गई और अब प्रदर्शन वैसे शांतिपूर्वक होता परंतु प्रशासन में जो निर्णय लिया वह उनकी स्थिति है परंतु जो लोग आ जाएंगे उनके साथ हम बिहारी जी मंदिर जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई बीच का रास्ता निकलता है तो उसका निश्चित रूप से वह स्वागत करेंगे प्रशासन और शासन अगर मिलकर कोई रास्ता निकलता है तो अच्छा है। प्रेसवार्ता में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के वरिष्ठ महामंत्री नवीन नागर, मंत्री संजय चतुर्वेदी एल्पाइन, माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी पमपम आदि लोग उपस्थित थे।

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक, साथ में बैठे हैं महासभा के वरिष्ठ महामंत्री नवीन नागर, मंत्री संजय चतुर्वेदी एल्पाइन, महामंत्री राकेश तिवारी।

फिंगरप्रिंट मैच होते ही खुलेगा अपराध का राज

● अपराधियों का तैयार हो रहा राष्ट्रीय डेटाबेस

डेटाबेस में फिंगर प्रिंट मैच होते ही देश में कहीं भी हो पकडा जाएगा अपराधी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। किसी भी अपराध के खुलासे में इससे मदद मिलेगी। यह एक तरह से राष्ट्रीय स्तर पर अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड होगा। जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए विभिन्न अपराधओं में गिरफ्तार 852 अभियुक्तों का नफीस (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) से फिंगर प्रिंट लिये गये तथा ऑपरेशन पहचान एप के माध्यम से 11005 अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही की गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने के लिए अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न अपराधों (लूट, चोरी, नकबजनी, गौवध, जुआ, अवैध शस्त्र, शराब, मारपीट, अपहरण, हत्या, हत्या का प्रयास) में संलिप्त कुल 852 अपराधियों को गिरफ्तार कर नफीस से फिंगर प्रिंट लिये गये तथा ऑपरेशन पहचान एप के माध्यम से 11005 अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही करायी गयी।

नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम एक केंद्रीकृत, राष्ट्रव्यापी फिंगरप्रिंट डेटाबेस है जो अपराधियों की पहचान करने में मदद करता है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा विकसित किया गया है और 2022 में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड को अधिक कुशलता से बनाए रखने और खोजने में सक्षम बनाना है। जब किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसके फिंगरप्रिंट एनएएफआईएस डेटाबेस में दर्ज किए जाते हैं। जब किसी अपराध स्थल से फिंगरप्रिंट प्राप्त होते हैं, तो उन्हें छ। डेटाबेस में खोजा जाता है। यदि फिंगरप्रिंट डेटाबेस में मौजूद किसी व्यक्ति से मेल खाता है, तो उस व्यक्ति की पहचान की जा सकती है।

फिंगरप्रिंट एनएएफआईएस डेटाबेस में फिंगरप्रिंट दर्ज कराती पुलिस।

प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का मंडलायुक्त ने किया उद्घाटन

● चैंपियनशिप में 1 से 4 जुलाई तक प्रदेश से लगभग 1000 निशानेबाज भाग लेंगे

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जनपद में पहली बार आयोजित प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह ने मंगलवार को फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार उपस्थित रहे। इस चौंपियनशिप में 1 से 4 जुलाई तक पूरे उत्तर प्रदेश से लगभग 1000 निशानेबाज भाग लेंगे। शुभारम्भ के दौरान कमिश्नर डी आई जी डीएम एसएसपी ने गोली चलाकर निशानेबाजी का अभ्यास भी किया। जिला राइफल एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित 27वीं यूपी प्री स्टेट शूटिंग चौंपियनशिप के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों को दृढ़ता से दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। निरंतर अभ्यास ही हमारी दक्षता बढ़ाता है और निरंतरता से ही लक्ष्य आसान होते हैं। अति विशिष्ट अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निशानेबाजी के खेल में अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण ही खिलाड़ी को लक्ष्य भेदने में मार्ग प्रशस्त करता है।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मथुरा में पहली बार निशानेबाजी की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता हो रही है जिसके आयोजन में हम खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था का ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास में सहायक है तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को शिक्षा के साथ ही खेलों के प्रति भी जागरूक रखना चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा कि खेलने से शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा आत्मविश्वास व टीम भावना का विकास होता है। खेलों से स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान होता है। इस अवसर पर यूपी स्टेट राइफल एसो. के महासचिव जी एस सिंह ने खिलाड़ियों के शस्त्र लाइसेंस में प्रशासन द्वारा उचित सहयोग करने की मांग की गई। कार्यक्रम आयोजक राकेश कुमार नगर मजिस्ट्रेट एवं शूटिंग कोच मनीष चौधरी ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर भूषण वर्मा, नगर निगम से सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, डिप्टी कलेक्टर ऊषा सिंह, शूटिंग कोच विक्रांत सिंह तोमर, सादिक अनीश, वेद प्रकाश शर्मा, विकास तोमर, कैप्टन फरीदुद्दीन, विजय चंदेल, डा हिमानी सिंह, अनिल कुमार पाल आदि उपस्थित रहे। संचालन शूटिंग कोच मुकेश चौधरी ने किया।

सहस्त्र चंडी महायज्ञ का हुआ दिव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। विश्व शांति की कामना भारत संपूर्ण विश्व में विश्व गुरु की उपाधि से प्रतिष्ठित हो तथा मथुरा में भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर का निर्माण हो ऐसी भावना व कामना के साथ मसानी मथुरा पर प्रतिष्ठित मां पथवारी देवी मंदिर पर श्री मां रंगेश्वरी महाकाली देवी भक्त मंडल द्वारा सहस्त्र चंडी महायज्ञ का भव्य दिव्य आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन आचार्य श्री राम निहोर शास्त्री जी वृंदावन निवासी के आचार्यतत्व में वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा 108 दुर्गा सप्तशती के सम्पुटित पाठ सहस्त्रनाम अर्चन कन्या लांगुरा पूजन सौभाग्यवती पूजन 11 दुर्गा सप्तशती के पाठों द्वारा हवन का मंगल मय कार्यक्रम किया जा रहा है उक्त सभी कार्यक्रमों में प्रतिदिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से महापुरुषों का आगमन कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा देता है इसी क्रम में आज इंद्रपुरी दरबार के संस्थापक व महंत श्री बब्बू भैया व कार्ष्णी संत पूज्य श्री अच्युतानंद जी महाराज शुभागमन हुआ संत द्वय द्वारा हवन में सहभागिता कर उपस्थित ब्राह्मणों का स्वस्ती वाचन के मध्य पूजन किया एवं कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों को शुभाशीष प्रदान किया कार्यक्रम के मुख्य आयोजक विश्व हिंदू परिषद मथुरा महानगर के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल द्वारा दोनों संतों का शाल उडाकर सम्मानित किया मंडल के संस्थापक व संरक्षक श्री अशोक जी गुप्ता माईदासद्वारा दोनों संतो को माल्यार्पण कर सम्मानित किया कार्यक्रम की व्यवस्थाएं आयोजक मंडल के श्री राजेश जी चौधरी श्री अमरनाथ जी गोयल अनिल अग्रवाल जी महावाणिया के द्वारा की गई।

विश्व शांति की कामना के साथ सहस्त्र चंडी महायज्ञ का हुआ दिव्य आयोजन।

स्माइल योजना से रोकेंगे भिक्षावृत्ति

● सीडीओ की अध्यक्षता में संस्था के चयन का हुआ साक्षात्कार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जनपद में बढ़ती भीक्षावृत्ति के रोकथाम के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्माइल योजना के तहत जिला प्रशासन भिक्षुकों के विरूद्ध कार्रवाई करके उनका पुर्नवास करेगा। जिसके तहत राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्माइल योजना के अंतर्गत जनपद में भीक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं के चयन हेतु जनपद स्तरीय चयन समिति की बैठक हुई। जनपद स्तर पर संस्थाओं के चयन हेतु अपनाई गई प्रक्रिया के तहत पांच संस्थाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। सीडीओ ने बताया कि मंगलवार को हुई बैठक में पांच संस्थाओं में से चार संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया, जिनका साक्षात्कार जनपद स्तरीय चयन समिति के द्वारा किया गया। पांच संस्थाओं में से किसी एक संस्था का चयन जनपद में भीक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु संचालित स्माइल योजना के अंतर्गत किया जाएगा। बैठक में समिति में अन्य सदस्य अपर पुलिस अधीक्षक, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित थे।